अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2023) दिनांक : 19.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भगवतरी भाष्य (खण्ड-1)–70

प्र. 1 किन्हीं छह पारिभाषिक शब्द लिखें– 6

(क) अल्पसत्त्व मनुष्यों के द्वारा दुरनुचर ब्रह्मचर्य की आराधना करने वाला।

(ख) वीर्यविशेष के द्वारा कर्म को उद्वर्तना और अपवर्तना के अतिरिक्त शेष करणों के अयोग्य बना देना।

(ग) मन, वाणी और काय का संवर नहीं करने वाला।

(घ) कार्य की निष्पत्ति के लिए प्रस्तुत होना।

(ङ) आध्यात्मिक विकास के ह्रास की ओर जाना।

(च) शरीर और इन्द्रिय-पर्याप्ति के निर्माण से पूर्ववर्ती अवस्था।

(छ) विशिष्ट संज्ञा के अनुरूप आचरण वाला।

(ज) उत्पादक शक्ति से सम्पन्न।

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) सूरपण्णत्ती के अनुसार एक सूर्य जम्बूद्वीप के कितने भाग को प्रभासित करता है?

(ख) अनानुपूर्वी से क्या तात्पर्य है?

(ग) कर्म-प्रतिष्ठित जीव से क्या तात्पर्य है?

(घ) संसार-अपरीत संसार अपरीत के रूप में कितने काल तक रहता है?

(ङ) नरक गति में उपपात की अपेक्षा से कितना विरह प्रज्ञप्त है?

(च) वायुकाय की कायस्थिति लिखें।

(छ) केसरिका से क्या तात्पर्य है?

(ज) आहारक-समुद्घात के प्रयोग के तीन प्रयोजनों के नाम लिखें।

प्र. 3 कोई दस प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दीजिए– 30

(क) क्या सब नैरयिक जीव समान आहार करते हैं? स्पष्ट करें।

(ख) मिथ्यादृष्टि को मायी क्यों कहा गया है?

(ग) द्रव्य और पर्याय की सत्यता को सिद्ध करें।

(घ) मिथ्यादृष्टि नैरयिक जीव में तीन अज्ञान की भजना किस कारण से प्रज्ञप्त है?

(ङ) नैरयिक जीवों और भवनपति देवों के संहनन, संस्थान और लेश्या के नानात्व का यंत्र लिखें।

(च) सूक्ष्म-स्नेह काय कहां और किस समय गिरता है?

(छ) एकान्त बाल के लिए चतुर्विध आयुष्य-बंध के कारणों को लिखें।

(ज) लाघव किसका सूचक है? और इसके प्रशस्त होने के हेतु लिखें।

(झ) नित्यानित्यवाद की व्याख्या करें।

(ञ) स्कन्दक ने निर्ग्रन्थ-प्रवचन के प्रति अपनी आस्था की अभिव्यक्ति कैसे दी?

(ट) छेदोपस्थापनीय चारित्र तथा सामायिक चारित्र में क्या भेद है?

(ठ) एक जीव एक भव में कितने जीवों को पुत्र के रूप में उत्पन्न कर सकता है? उदाहरण सहित बतायें।

प्र. 4 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 15

(क) निरोध, प्रहाण और व्यवच्छेद के प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) तप के चौदह विशेषणों को अर्थ सहित लिखें।

(ग) अभिगम पर टिप्पणी लिखें।

(घ) वैज्ञानिक मान्यता से सिद्ध करें कि उष्णयोगिक जीव गरम वातावरण में पैदा होते हैं?

प्र. 5 गर्भ के विषय में गणधर गौतम द्वारा पूछे गये छः प्रश्नों का भगवान महावीर ने क्या समाधान दिया? 13

अथवा

मरण के प्रकारों का वर्णन करें

झीणी चरचा-30

प्र. 6 कोई दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 10

(क) प्रथम तीन भाव लेश्याएं किन भावों में समाविष्ट होती है और किस कर्म के उदय निष्पन्न के कारण?

(ख) क्षयोपशम अवस्था को क्षयोपशम किस अपेक्षा से कहा गया है?

(ग) मोहकर्म का उदय-निष्पन्न भाव छः में कौन? नौ में कौन? इसे सदा सावद्य क्यों कहा गया है?

(घ) चतुर्थ गुणस्थानवर्ती जीव में जघन्यतः तथा उत्कृष्टतः कितने भाव होते हैं?

(ङ) पांचवें गुणस्थान में कितने आश्रव होते हैं और किस अपेक्षा से?

(च) धर्म कौन-सा भाव और कौन-सी आत्मा है?

(छ) कौन-सी आत्मा सावद्य है और कौन-सी आत्मा निरवद्य?

(ज) कितनी आत्मा औदयिक तथा क्षायोपशमिक भाव होती है?

(झ) जहां योग आत्मा है, वहां कितनी आत्माओं की नियमा और भजना है?

(ञ) पुण्य छः में कौन? नौ में कौन? शाश्वत और अशाश्वत?

(ट) उदय-निष्पन्न भाव का सावद्य-निरवद्य और शाश्वत-अशाश्वत अपेक्षा भेद से बतायें।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों का शब्दार्थ करें– 12

(क) चारित्र-मोह खायक-निपन ते, छमें जीव सुजाण।
नव में जीव संवर विरत ते, खायक-चारित्र पिछाण।।

(ख) तिम सत दत शील दया भली, पहिला च्यार गुण ठाणां पाय।
ते खयोपशम चारित्र-मोह थी, पिण चारित्र कहीजै नांय।।

(ग) करणी लेखै निरवद कुण छै? चारित्र एकंत जोयो जी।
जोग दर्शण सावद-निरवद, अवर न कहियै कोयो जी।।

(घ) प्राणातिपात-पापठाणो खायक-निप्पन तिको रे, भाव खायक नै परिणामीक रे।
छ द्रव्य मांहे जीव सुजाणज्यो रे, नव मांहे संवर जीव सधीक रे।।

प्र. 8 उदय का द्रव्यों और तत्त्वों में समावेश का वर्णन करें। 8

अथवा

आत्मा एक, रूप अनेक का सार संक्षेप लिखें।